अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2023) दिनांक : 23.12.2023

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

भिक्षु विचार दर्शन–80

प्र. 1 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 10

(क) पांच समितियां कौन-कौन सी हैं?

(ख) साध्वियों द्वारा लाया गया आहार लेने में शिथिलाचार किसने बताया?

(ग) सत्ता, सम्बन्ध और हृदय परिवर्तन से किसका उदय होता है?

(घ) असोचा केवली किसे कहते हैं?

(ङ) 'दोष-परिमार्जन' के विषय में सत्पुरूष का कर्त्तव्य क्या है?

(च) सत्य के निकट पहुंचने में सुलभता कब होती है?

(छ) आचार्य भिक्षु के समय अयोग्य शिष्यों की बाढ़ आ रही थी, उसका मुख्य कारण क्या था?

(ज) पीपाड़ में जग्गू गांधी आचार्य भिक्षु का अनुयायी बना तब सबसे अधिक कष्ट किसे हुआ?

(झ) अहिंसा के क्षेत्र में सभी जीव समान है। बचाने और भगाने के संदर्भ में अहिंसक का कर्त्तव्य क्या है?

(ञ) संसार का प्रवाह किससे चलता है?

(ट) 'परोपकार से पुण्य और पर-पीड़न से पाप होता है।' यह वाक्य किसका सार है?

(ठ) प्रवृत्ति के श्रोत कौन-कौन से हैं?

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 10

(क) 'संघ व्यवस्था में एक ही व्यक्ति किसी के लिए आचार्य, किसी के लिए उपाध्याय होते हैं। कैसे? स्पष्ट करें।'

(ख) जर्मन विद्वान अलबर्ट स्वीजर के अनुसार भगवान महावीर की अहिंसा क्या है?

(ग) 'धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष एक ही जीवन में होते हैं, पर ये स्वरूप की दृष्टि से एक नहीं है।' स्पष्ट करें।

(घ) आचार्य भिक्षु के दया के सिद्धान्त को संक्षेप में स्पष्ट करें।

(ङ) अवीतराग की पहचान के कितने व कौन-कौन से बिन्दु हैं?

(च) एक व्यक्ति ने पूछा–जीव को नरक व स्वर्ग में कौन ले जाता है? तब आचार्य भिक्षु ने क्या कहा? लिखें।

प्र. 3 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 28

(क) तीन नौकाओं के माध्यम से आचार्य भिक्षु की शब्दावली में अनुशासन का उद्देश्य स्पष्ट करें।

(ख) आचार्य भिक्षु के शब्दों में–'जीवन और मृत्यु अपने आप में न काम्य है न अकाम्य। ये परिवर्तन के अवश्यम्भावी चरण हैं।' स्पष्ट करें।

(ग) धन उपकार का साधन है पर आध्यात्मिक उपकार का साधन बनने की क्षमता उसमें नहीं है। स्पष्ट करें।

(घ) सिद्ध करें आचार्य भिक्षु में अपने सिद्धान्त के प्रति जितना आग्रह था, उतना ही दुराग्रह से दूर रहने का तीव्र प्रयत्न भी था।

(ङ) स्पष्ट करें कि तेरापंथ की शांतिपूर्ण नीति आचार्य भिक्षु की तितिक्षा की ही परिणति है।

(च) आचार्य भिक्षु ने गण की व्यवस्था में भगवान महावीर के आठ सूत्रों को क्रियान्वित किया उनका उल्लेख करें।

प्र. 4 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए– 32

(क) विभिन्न उद्धरणों से स्पष्ट करें कि अध्यात्मवादी सेवा को गलत नहीं मानते वे उसे भिन्न-भिन्न दृष्टिकोण से देखते हैं।

(ख) सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु तार्किक बुद्धि से सम्पन्न थे।

(ग) मिश्र धर्म को व्याख्यायित करते हुए धर्म की अविभक्तता पर प्रकाश डालें।

भिक्षु वाणी–20

प्र. 5 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें– 8

(क) ते पाप.....नहीं दोस।।

(ख) ग्यान रूप.....गुण चीर।।

(ग) जिम कोई.....वसत विगाड़े।।

(घ) तिम कुगुर.....अंध अदेख।।

प्र. 6 किन्हीं दो पद्यों की पूर्ति करें– 6

(क) रांकां ने.....उठ्या वेरी।।

(ख) खाए पीए.....कोतल छूटा।।

(ग) जीव ने.....सूं घेष।।

(घ) आ तो.....दीघा न्हांख।।

प्र. 7 निम्नलिखित विषयों से सम्बन्धित कोई दो पद्य लिखें– 6

(क) निःशल्य।

(ख) पाप।

(ग) दुःषमाकाल

(घ) जीवन सूत्र